

समक्ष राजस्व मंडल मध्यप्रदेश ग्वालियर सर्किट कोर्ट रीवा



PG-201-

- 218  
25-6-15
- 1- इन्द्रबहादुर सिंह तनय स्व. रामाश्रय सिंह
  - 2- धर्मन्द्र सिंह तनय स्व. रामाश्रय सिंह
  - 3- श्रीमती सितविया बेवा पत्नी स्व. रामाश्रय सिंह

बिभागी २४०१-II-15

सभी निवासी ग्राम टिकरी थाना सोहागी तह. त्योंथर जिला रीवा म.प्र.

.....आवेदकगण

बनाम्

- 1- रामभुवन सिंह तनय लल्लू सिंह निवासी ग्राम टिकरी थाना सोहागी तह. हुजूर जिला रीवा म.प्र.

.....अनावेदक

निगरानी विरुद्ध सीमांकन पुष्टीकरण आदेश राजस्व निरीक्षक (प्रदत्त अधिकारी तहसीलदार) सर्किल चाक तहसील त्योंथर दिनांक 07.05.2015 जरिए सीमांकन प्रकरण क. 32 अ 12/2014-15 बाबत भूमि खसरा क. 277/1 एवं 275 स्थित ग्राम सोहागी ज.नं. 555 तह. त्योंथर जिला रीवा, निगरानी याचिका अंतर्गत आदेश 50 म.प्र.भू. रा.सं. वर्ष 1959

री. के प्रावे उपलाइ पर्ल  
द्वारा आज दिनांक. 25-6-15 के  
प्रस्तुत किया गया।

सर्किल कोर्ट रीवा

सर्किल ऑफ कोर्ट  
राजस्व मंडल ग्वालियर  
कल्की ऑफ कोर्ट  
कोर्ट द्वारा आज  
को प्राप्त

निगरानी याचिका के आधार निम्नलिखित हैं -

- 1- यह कि अदालत मातहत अधिकारी राजस्व निरीक्षक मंडल चाक (प्रदत्त अधिकारी तहसीलदार) द्वारा पारित सीमांकन पुष्टीकरण आदेश दिनांक 07.05.2015 खिलाफ विधि प्रक्रिया एवं शहादत के होने से काबिल निरस्तगी है।
- 2- यह कि अदालत मातहत ने इस कानूनी एवं वाक्याती बिन्दु पर कर्तव्य गौर नहीं किया कि अनावेदक द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि खसरा क. 277/1 रकबा 0. 214 हे. स्थित ग्राम सोहागी ज.नं. 555 बाबत सीमांकन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया था जो आवेदन पत्र अपूर्ण तथा धारा 129 म.प्र.भू.रा.सं. वर्ष 1959 के अंतर्गत निर्मित नियमों के अनुसार नहीं था। आवेदन पत्र में सरहददी काश्तकारों तथा चारों दिशाओं में स्थित भूमियों के बाबत कोई विवरण न होने से आवेदन

A.H.  
F.O.

इन्हं वहाँ तक ही रामदण्ड ट्रॉपर  
R. २५०-ही ११५-रोपर

स्थान तथा दिनांक	प्राप्तवायकी अथवा आदेश	प्रक्रियाएँ एवं अभिभावकों आदि के हस्ताक्षर
४.९.१५  22  २०९	<p>१- प्रकरण राजस्व मण्डल, मुख्यालय नवांगम्बद्ध से दर्जीयत होकर प्राप्त २- आवेदक को कायमी पर सुनवाई हेतु सूचित किया जायें ३- बास्ते कायमी पर तक। पेशी दिनांक ३.११.१५</p> <p>आ० ज्ञा० से० रीडर</p>	
30/9/2015	<p>प्रकरण शीघ्र सुनवाई के आवेदन पर लिपा गया।</p> <p>२. इकाई का अवलोकन लिपा गया। लिगराकार छारा रापवां गिरिधर नाथल चाक, तहसील, नेवार, लिपा रीता के मानवा व्. ३२(३४-१)।१५.१५ फ्रॉटर दिनांक ०२-०५-१५ के विरुद्ध ऐ लिगराती इस व्यापारिये 'क' द्वारा की गई छी लिगराती छापा में सूचित दृष्ट आरोप है कि सरहड़ी का उत्तराप्त वो विल सूचना दिये विविध के प्रतिकूल सीखाकर लिपा गया है।</p> <p>२. लिगराती छापा के साथ पेश किये गए सूचना पत्र एवं स्थाल परिणामों की उत्तराप्त छति में लिगराकारे के क्षेत्र दृष्ट आरोप है कि पाये जाने विवरण गिरिधर काता ३-४ लिंग विवरण क्षेत्री गई। इसकी प्रशासनी आदेशादिओं</p>	

## राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-गवालियर

अनुबृति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक.. R.2401. : III/15.....जिला - रीवा

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
	<p>- ०७-०५-२०१५ में भूमि नं. ८०२७७/।</p> <p>रकवा ०.१५ हेक्टेके अंशों द्वारा वर्गीकृत किया गया</p> <p>"इल्लबद्धादुर्ग का इलाधिकृत गांव पापा गांव" लिखा गया है, जिस पर निगरानीका</p> <p>आपत्ति है।</p> <p>३. उपरावत स्थिति में इसका सारहृदी</p> <p>पालनकारों को बड़े संख्या द्वारे किया</p> <p>गया स्थानांकन में पु. भू-पापमें लंबित</p> <p>चीजां १२१ के उत्तिवृत्त घोते से प्रश्न-</p> <p>चीज़ आदेश दिया है ०७-०५-१५ तिरहट</p> <p>घोते इस सम्बन्ध मिटेक्काके लिए!</p> <p>इनिगरानी एवं अपेक्षादी का उत्तिवृत्त</p> <p>को नियित संख्या द्वारे द्वारे उपरावत</p> <p>स्थानांकन करने हेतु नियादिति है</p> <p>जाता है।</p> <p>५. पूलराण पंचमे रवारीपं. किया जाय</p> <p>एवं आदेश की उत्तिवृत्तीत्तद्वय तापाल्प</p> <p>को नियी जाय। तापाल्पात् पुकारी</p> <p>अनियन्त्रित नियी जाय।</p>	
		मंदस्य